



पुष्पा 2 को लेकर की गई जेरीबी वाली टिप्पणी पर सिद्धार्थ का यू-टर्न

5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से ही पुष्पा 2-द रूल ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फिल्म की भारी सफलता के बीच सिद्धार्थ को अलू अर्जुन अभिनेत फिल्म के पटना इंटर्व्यू में एकत्रित भीड़ का मजाक उड़ाने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। हालांकि, अब उड़ाने विवाद के बारे में बात की ओर एक स्पष्टीकरण जारी किया गया है।

सिद्धार्थ ने ट्रोलिंग पर तोड़ी चुप्पी
चेन्नई में अपनी फिल्म मिस यू के लिए आयोजित एक प्रेस मीट के दौरान सिद्धार्थ ने पुष्पा 2 पर अपनी टिप्पणियों और अलू अर्जुन के साथ किसी भी तरह की समस्या के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया। अभिनेता ने स्पष्टीकरण की आवश्यकता को खालिंग कर दिया और फिल्म की टीम को इसकी सफलता के लिए बधाई दी। उड़ाने पहले भगवा की भारी लोकप्रियता को स्वीकार किया और कहा कि दर्शकों का सीक्षण के लिए सिनेमाघरों में आना स्वाभाविक था।

अपनी टिप्पणी पर कथा बोले सिद्धार्थ सिद्धार्थ ने फिल्मों का समर्थन करने वाली बड़ी भीड़ के महत्व के बारे में भी बात की। उड़ाने उम्मीद जराई कि दर्शक सिनेमाघरों में आना जारी रखेंगे और सिनेमा के फलन-फूलने की जरूरत के बारे में खुलकर बात की। उड़ाने इस बात पर भी जार दिया कि किसी फिल्म का हिट होना कितना दुर्लभ है और कहा कि निर्माता और कलाकार अपनी कड़ी मेहनत का फायदा उठाने के हकदर है।

सिद्धार्थ ने पेश की सफाई

उड़ाने कहा, मुझे समस्या शब्द से ही दिक्षित है और मुझे नहीं लगता कि मुझे इस पर स्पष्टीकरण देने की जरूरत है। सफलता के लिए पुष्पा 2 की टीम को बधाई। जितनी अधिक भीड़ जुटेगी, उतना अच्छा होगा। आशा है कि भीड़ सिनेमाघरों में भी आएगी। सिनेमा को सख्त होना चाहिए। इससे पहले पुष्पा 2 पर की गई अपनी टिप्पणी पर सिद्धार्थ को काफी ट्रोल भी किया गया था।

कथा था सिद्धार्थ का बयान

इससे पहले सिद्धार्थ ने पुष्पा 2 का कार्यक्रम के लिए पटना में उम्मीद भारी भीड़ पर अपने विवाद साझा किए। उड़ाने कथित तीर पर इसे एक प्रचार रणनीति बताया और कहा कि भारत में बड़ी भीड़ एक आम बात है। उड़ाने तक दिया कि ऐसी भीड़ हमेशा गुणवत्ता को नहीं दर्शाती। अभिनेता ने कथित तीर पर इस आयोजन की तुलना जेरीबी से खुदाई करने वाली जगह से की और दावा किया कि आयोजन करने से स्वाधारिक रूप से लाग आते हैं और उड़ाने विहार के लोगों के एकत्र होने को सामान्य बताया।



प्रेनेंसी की खबरों पर सोनाक्षी ने तोड़ी चुप्पी

सोनाक्षी सिन्हा ने इस साल जून में अपने बॉयफैंड जहीर इकबाल के साथ शादी रचाई। निजों समारोह में हुई राजस्टर मेरिज और फिर रिसेप्शन पार्टी में करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए। शादी के माम किया है। भारत में सभी के लिए, अलू वी इमेजिन एजलाइट अभी भी सिनेमाघरों पर आयोजित भीड़ का मजाक उड़ाने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। हालांकि, अब उड़ाने विवाद के बारे में बात की ओर एक स्पष्टीकरण जारी किया गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर श्रेणी (मोशेन पिंकर श्रेणी) के लिए नामित किया

आलिया भट्ट ने ऑल वी इमेजिन एज लाइट के लिए दी पायल कपड़िया को बधाई

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फिल्म निर्माता पायल कपड़िया को फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट के लिए गोल्डन ग्लोब अवार्ड के लिए नामित होने पर बधाई दी। उड़े 82वें गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स 2025 में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (मोशेन पिंकर श्रेणी)



के लिए नामित किया गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशेन पिंकर नामित किया

तुलसी की खेती



कार्पूरी तुलसी
काली तुलसी
बन तुलसी या राम तुलसी
जानली तुलसी
होली बेसिल

श्री तुलसी या श्यामा तुलसी

तुलसी अत्यधिक औषधीय उपयोग का पौधा है। जिसकी महत्वा पुणी चिकित्सा पद्धति एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धति दोनों में है। वर्तमान में इससे अनेक लोगों की दवाईं साबुन, हेयर शीम्पू आदि बनाए जाते लगे हैं। जिससे तुलसी के उपयोग की मांग काफ़ी बढ़ गई है। अतः मांग की पूर्ति बिना खेती के संभव नहीं है।

मृदा व जलवायु

इसकी खेती कम उपजाऊ जमीन जिसमें पानी की निकासी का उचित प्रबंध हो, अच्छी होती है। बहुत योगदान जमीन इसके लिए बहुत उपयुक्त होती है। इसके लिए उच्च कटिवधि एवं कटिवधीय दोनों तरह जलवायु होती है।

भूमि की तैयारी

जमीन की तैयारी ठीक तरह से कर लेनी चाहिए। जमीन जों के दूसरे सासाह तक तैयार हो जानी चाहिए।

बुवाई / रोपाई

इसकी खेती बीज द्वारा होती है लेकिन खेती में बीज की बुवाई सीधे नहीं करती चाहिए। पहले इसकी नरसरी तैयार करनी चाहिए। बाद में उसकी रोपाई करनी चाहिए।

पौधे तैयार करना

जमीन की 15 - 20 सेमी. गहरी खुदाई कर के खरपतवार आदि निकाल तैयार कर लेना चाहिए। 15 टन प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर की सड़ी खाद अच्छी तरह से मिला देना चाहिए। 1 मी. - 1.5 मी. आकार की जमीन सहसे उभरी हुई ब्यारियों बना कर उचित तरह से उभरी हुई भाँति मिला दिन चाहिए। बाद में उसकी रोपाई कर देनी चाहिए। बीज की बुवाई 1-10 ग्रा. - 1 किग्रा. बीज एक डेक्टरर के लिए उपयोग होता है। बीज की बुवाई 1-10 के अनुपात में रेत या बालू मिला कर 8-10 सेमी. की दूरी पर पक्की में करनी चाहिए। बीज की गहराई अधिक नहीं होनी चाहिए। जमीन के 15-20 दिन बाद 20 किमी. की दर से नेत्रजन डालना उपयोगी होता है। पांच - छह सप्ताह में पौधे रोपाई होते हुए तैयार हो जाती है।



रोपाई

मुख्य मौसम में रोपाई हमेशा दोपहर के बाद करनी चाहिए। रोपाई के बाद खेत को सिंचाई द्युत कर देनी चाहिए। बादल या हालनी वर्षा वाले दिन इसकी रोपाई के लिए बहुत उपयुक्त होते हैं। इसकी रोपाई लाइन में लाइन 60 सेमी. मी. तथा पौधे से पौधे 30 सेमी. की दूरी पर करनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

इसकी पहली निराई गुडाई रोपाई के एक माह बाद करनी चाहिए। दूसरी निराई - गुडाई पहली निराई के 3-4 सप्ताह बाद करनी चाहिए। बड़े शेत्रों में गुडाई ड्रेक्टर से की जा सकती है।

उर्वरक

इसके लिए 15 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद जमीन में डालना चाहिए। इसके अलावा 75-80 किग्रा. नेत्रजन 40-45 किग्रा. फास्कोरेस व पोटाश की अवश्यकता होती है। रोपाई के पहले एक तिथाई नेत्रजन तथा फास्कोरेस व पोटाश की गुडाई मात्रा खेत में डालकर जमीन में मिला देने चाहिए। शेष नेत्रजन की मात्रा दो बार में खड़ी फसल में डालना चाहिए।

कटाई

जब पौधे में पूरी तरह से फूल आ जाए तथा नीचे के पत्ते पीले पड़ने लगे तो इसकी कटाई कर लेनी चाहिए। रोपाई के 10-12 सप्ताह के बाद यह कटाई के लिए तैयार हो जाती है।

आसवन

तुलसी का तेल पूरे पौधे के आसवन से प्राप्त होता है। इसका आसवन, जल तथा वाष्प, आसवन, दोनों विधि से किया जा सकता है। लेकिन वाष्प आसवन में पौधे रोपाई होते हुए तैयार हो जाती है।

आय - व्यय विवरण

प्रति हेक्टेयर व्यय - रु. 10,500
तेल का पैदावार - 85 किलो प्रति हेक्टेयर
टेल की कीमत - 450 - रूपया प्रति किलो - 8/5 झं 450 = 38,250
शुद्ध लाभ : रु. 38,250 - 10,500 = 27,750

सबसे ज्यादा उपयुक्त होती है। कटाई के बाद तुलसी की पौधे को 4-5 घंटे छोड़ देना चाहिए। इससे आसवन में सुविधा होती है।

पैदावार

इसके फसल की ओसत पैदावार 20 - 25 टन प्रति हेक्टेयर तथा तेल का पैदावार 80-100 किग्रा. हेक्टेयर तक होता है।



गुडमार औषधीय पौधे की खेती

जाते हैं।

भूमि

गुडमार की खेती के लिए उचित जल निकास वाली दोमट मिट्टी अच्छी होती है। गर्भियों में दो बार आड़ी - खड़ी जुताई कर एवं पाटा चालकर खेत तैयार कर लेना चाहिए। पाटा चालकर मिट्टी को गुड़पुरी व समतल कर लेना चाहिए।

बीज

बीजों से खेती करने के लिए ऐपनी में पौधे तैयार करना चाहिए। बीज बोने से पूरे 3 ग्राम डायरेन एम 45 वा बोर्डरीन नामक फार्मूलनशक से बीजों को उपचारित करना चाहिए। उपचारित बीजों को पहले से भरी पाटीथीन की थीलियों में बो देना चाहिए। बीजों को बोने व रोपणी बनाने का सही समय अप्रैल - मई माह होता है। माह जुलाई - अगस्त तक पौधे खेत में रोपित करने वाले हो जाते हैं।

कलम द्वारा पौधे बनाकर

गुडमार की खेती पौधों की कलम से पौधे बनाकर भी की जा सकती है। इसके लिए जनवरी - फरवरी माह उत्तम होता है। बालीथीन बैग में पौधे तैयार कर जुलाई - अगस्त माह में खेत में रोपित किया जा सकता है। गुडमार एक बहुवर्षीय लाइन है। यह लगभग 20 - 30 वर्षों तक उपज देती है।

रोपण

रोपण हेतु 1 म 1 मी. की दूरी पर तैयार किये गये गड्ढों में बारिश प्राप्त होने के पश्चात जुलाई - अगस्त माह में रोपित कर दिए जाते हैं। प्रति गड्ढा 5 किलोग्राम गोबर की पक्की खाद एवं 50 ग्राम नीम की खली डालनी चाहिए। गुडमार की खेती के लिए प्रति हेक्टेयर 10,000 पौधों की आवश्यकता होती है।

आरोहन त्यवस्था

गुडमार एक लाइन है। आरोहन त्यवस्था के लिए बांस, लोहे के एंगल एवं तारों का उपयोग करना चाहिए।

सिंचाई

गर्मी के समय 10-15 दिन तथा सर्दियों में 20-25 दिन के अंतराल में एक बार सिंचाई की जाय तो इसकी बढ़वार के लिए काफ़ी अच्छा रहता है।

फसल सुरक्षा

कभी - कभी अधिक बारिश के कारण पौधों में पीलेपन की समस्या आती है। इसके लिए बोनी के समय 10 किमी. फसल स्लक्टर का प्रयोग प्रति हेक्टेयर की दर से किया जाना चाहिए।

फसल कटाई

गुडमार की खेती में प्रत्येक वर्ष से इसकी पत्तियों के लिए की जाते हैं। समय बढ़ने के साथ - साथ इसकी लालए बढ़ती रहती है। तथा फसल की उपज भी बढ़ती जाती है। गुडमार की फसल एक बार लगभग 20 - 25 वर्षों तक फसल में दो बार पत्तों की तुड़ाई की जा सकती है।

अप्रैल - मई में 7 गुडमार की परिषक

एवं चयनित पत्तियों को तोड़कर

उठें छायादार स्थान में

सुखाना चाहिए। ग्रीष्म ऋतु

में पौधों की परिषक

फलियाँ एकत्र कर

सुखावाली जाती है। फलियों

को एकत्र करते समय

ध्यान रखना चाहिए की

फलियाँ चक्कर न गड़ जाएं

अन्यथा बीज उड़ जायेंगे

, ब्योके इनपर गड़ लगा

पत्तियों को दो बार तुड़ाई करने

पर तीसरे वर्ष से प्रत्येक पौधे से

लगभग 5 किमी. गोली पत्तियाँ अथवा

एक किलोग्राम सुखी पत्तियाँ प्राप्त होती हैं। एक

गुडमार की खेती

विश्व में पाये जाने वाले अनेकों बहुमूल्य औषधीय पौधों में गुडमार एक बहुउपयोगी औषधीय पौधा है। यह एकलपिण्डी कुल का सदस्य है। इसका वानस्पतिक नाम जिमनिमा सिलवेस्ट्री है। गुडमार के पत्ते तथा जड़ औषधीय रूप में उपयोग किये जाते हैं।

संग्रहण काल

माह दिसम्बर - जनवरी में गुडमार की पत्तियों को चुनकर एकत

प्रत्येक एटीएम में 24 घंटे सुरक्षा गार्ड रखने और नकाब पहनकर एटीएम का उपयोग न करने के निर्देश

बैंक के अंदर गमछा या नकाब पहनकर प्रवेश करने वाले ग्राहकों पर सुरक्षा गार्ड के माध्यम से रोक लगाई जाए : एसपी

पायनियर संचादकाता

www.dailypioneer.com

एसपी एसआर भगत के निर्देशनसंघर जिन के बैंक प्रबंधकों की बालोद पुलिस के साथ समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैंक व एटीएम की सुरक्षा व्यवस्था पुलिस रखने एवं बैंक एटीएम की सुरक्षा हेतु प्रौपर सुरक्षा गार्ड रखने हेतु अवगत किया गया। साइबर अपराध के कारण पीड़ित खानाधारक के होल्ड बैंक खाते को अनहोल्ड किया जाने के संबंध में चर्चा की गई। 1930 टोल फ्री नंबर का व्यापक प्रचार कर लोगों को प्रॉफ़ॉल से बचाने साइबर अपराध से जागरूक करने निर्देश दिया। वही बत्तमान में धन खाती, बिक्री उत्पाद कियाने के बैंक खाते में आने वाली राशि को साइबर ठाठी से बचाने प्रॉफ़ॉल कॉल से सावधान रहने जैसा जागरूक करने हेतु गाइड किया गया। शनिवार को पुलिस अधीक्षक पीड़ितों को अविलम्ब सहयोग



कार्यालय में एसपीओपे देवांश सिंह राहौर एवं नगर सीएमी राजहरा डॉ. विक्रां वर्मा की उमितियां में बालोद शहर एवं जिले के बैंक प्रबंधकों की बैठक आयोजित की गई। बैंक के दौरान ठाठी के तरत बढ़ते अपराध के तरत बढ़ते अपराधों को रोकें रोकने के बैंक विभाग के विभिन्न बैंक एवं बैंक स्टाफ उमितियां थीं।

पीड़ित व्यक्ति के बैंक आने पर उसकी हसरेंभव सहयोग किया जाए

इन दौरान बैंक प्रबंधकों को साईबर कार्डिम के अपराधों में पुलिस के साईबर सेल द्वारा चाही गई जानकारी समय रहते उपलब्ध कराए, रकम होल्ड, अनहोल्ड करने संबंधी बैंक की कार्यवाही तपतरा से करने ताकि पीड़ितों को राहत मिल सकें, एटीएम के फूटेज तकाल उपलब्ध कराया जाए। प्रत्येक एटीएम में 24 घंटे सुरक्षा गार्ड रखा जाए एवं सुरक्षा गार्ड के माध्यम से एटीएम में मुहू में गमछा हैलमेट या नकाब पहनकर एटीएम का उपयोग न करने दिया जाए। बैंक के अंदर गमछा या नकाब पहनकर प्रवेश करने वाले ग्राहकों पर सुरक्षा गार्ड के माध्यम से रोक लगायी जाए, पुलिस द्वारा मार्गे जाने पर डेंटी सेंटलमेंट रिपोर्ट तथा बैंकफसरी टिक्टल उपलब्ध कराया जाए, बैंक शाखाओं में किसी भी ग्राहक के बैंक का खाता किसी भी बैंक द्वारा होल्ड लगाने पर इसके साथ जानकारी तकाल पुलिस को दी जाए। साईबर ठाठी के अपराधों (सेमटार्सन, डिलीटल अरेस्ट, शेयर ट्रेडिंग आदि) से पीड़ित व्यक्ति के बैंक आने पर उसकी हसरेंभव सहयोग किया जाए, पुलिस द्वारा फाईर्सेयल व एटीएम ठाठी के प्रकरणों में ठाठों के खातों में ट्रांसफर रकम को तकाल होल्ड करने सहित बैंकों में ठाठों के खातों की राशि, होल्ड राशि को पीड़ितों के खाते में बिना किसी जटिल प्रक्रिया के आसानी से खाली किया जाए, साथ ही संदिग्ध खातों की जानकारी पुलिसको दी जाए। बैंक की सुरक्षा हेतु सीसीटीवी कैमरा बैंक के अंदर, बाहर के साथ ही बैंक के चारों दिशाओं में एवं मार्ग को कवर करते हेतु लगाया जाए। कैमरा लगातार चालू रखा जाए। बैंकअप डाटा रखें जाने के निर्देश दिए गए।

राज्यपाल रमेन डेका ने टीबी मरीजों के लिए प्रदाय किए फुड बास्केट



पायनियर संचादकाता

www.dailypioneer.com

किये। इस दौरान राज्यपाल डेका ने मरीजों को समझाई देते हुए कहा कि टी. बी. से घबराना नहीं, यह ताकत मिलती है और वे जल्दी बीमारी दबावी के नियमित सेवन एवं उचित खानापान से पूर्णतः टीके हो जाता है। राज्यपाल स्वयं नियमित खानापान के माध्यम से 6 माह या उससे अधिक समय के लिए बना जा सकता है। राज्यपाल डेका ने प्रधानमंत्री टी.बी. मरीजों की मदद करेंगे। टी.बी. मरीजों के दिये जाने वाला पूर्ण प्रौदीन युक्त फुड बास्केट प्रदाय किये जाने के निर्देश दिए।

भानुप्रतापपुर में जोरों से चल रहा सट्टे का कारोबार, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

पायनियर संचादकाता

www.dailypioneer.com

कभी चोरी-छिपे चलने वाला सट्टा बाजार आजलन कानून की ढीली पकड़ की बदल से खाँड़ियाल के संरक्षण में खुले आम संचालित हो रहा है। ओपन, कोजो और रिनिंग के नाम से चर्चित इस खेल में जिस प्रकार सब कुछ ओपन हो रहा है उससे यहीं प्रतीत होता है कि प्रमुख खाँड़ियाल को कानून की छोफ़नहीं रह गया। नगर में सट्टे के अवैध कारोबार के हाइटक होने के बाद से नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवाओं का इस ओर झुकाव बढ़ा है। तीन से चार खाँड़ियाल मिलकर पूरे

सटोरियों के विरुद्ध कोई एक्शन न लेना कहीं न कहीं सवालियां निशान खड़ा करता है हरेश चक्रधारी

आम आदमी पार्टी के बेता हरेश चक्रधारी ने कहा पुलिस का सटोरियों के विरुद्ध कोई एक्शन न लेना कहीं न कहीं सवालियां निशान खड़ा करता है। देसी भी पुलिस ने एक लम्बे अंते से सटोरियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की है। जबकि नगर में सटे के कारोबार घरमीली पर है। ऊहोंने कहा यह खबर छक्कर सामने आ रही है कि जिस तरह से घरमीले कर्दांक द्वारा कानून हो रही है उससे यहीं प्रतीत होता है। इसमें तीन से चार खाँड़ियाल मिलकर दबाविभार से अधिक जगहों पर घरमीले कर रहे हैं। ऊहोंने कहा पुलिस को एक लम्बे अंते से सटे के मामले में कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है।

नगर में सट्टे का बाजार चला रहा है। जिनकी भविष्य की चिंता की करने की बजाय एक के लिए दलीली राजहरा से जुड़ी हुई है। जिनको से 80 करने में किसत आजमाते हुए बर्बाद हो रहे हैं। घरों में अर्थिक समस्याओं के उत्पन्न के नशे में युवा वर्ग तबाह हो रहा है। नई पीढ़ी होने से बल्लंगे बढ़ रहे हैं।

भानुप्रतापपुर में जोरों से चल रहा सट्टे का कारोबार, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

जिला कराटे संघ ने संजीव को बनाया कसड़ोल ब्लाक प्रभारी

पायनियर संचादकाता

www.dailypioneer.com

विगत 5 वर्षों से जिला कराटे संघ बलोदबाजार-भाटापारा से जुड़े हुए संजीव ध्रुव को उनके बेहतरीन कार्य को देखते हुए कसड़ोल विकासचंड का प्रभार सौंपे गया। बच्चों के सर्वांगीन विकास एवं कराटे खेल में उनकी हस्सेदारी को सुदूर एवं उच्च स्तर तक ले जाने के लिए संघ कार्यकरणी का गठन किया उसी तारतम्य में जिला कराटे संघ बलोदबाजार-भाटापारा से मानवता प्राप्त चैयिन यार्सल अर्ट एकेडमी भाटापारा के द्वारा बिंदु पैकरा एवं लखेश्वर बारिहा को सह प्रभारी नियुक्त किया गया। वे दोनों भी विगत 3 वर्षों से उपरोक्त सभी को जिला कराटे संघ चैयिन यार्सल अर्ट एकेडमी जिला कराटे संघ सचिव ऋषभ सिंह चौहान द्वारा कसड़ोल विकासचंड में प्रमाण पत्र



गया। वे दोनों भी विगत 3 वर्षों से उपरोक्त सभी को जिला कराटे संघ चैयिन यार्सल अर्ट एकेडमी जिला कराटे संघ सचिव ऋषभ सिंह चौहान द्वारा कसड़ोल विकासचंड में जिला कराटे संघ सचिव ऋषभ सिंह चौहान द्वारा जुड़े हुए हैं।

16 Dec. 2024 | Pride Of Raipur

RIDERZONE

SINCE 2017

• डेलमेट • राइटिंग जैकेट • राइटिंग ग्लास्ट

• राइटिंग एंट • राइटिंग जूता • एसेसरीज

A Complete Riding Gear Store

श्रावण नगर, रायपुर (छ.ग.)

CONTACT - 80162-38584

FOLLOW US ON INSTAGRAM

K.K. Solar

We Provide Sale & Service in All Type of Solar Power Plant & Solar Water Heater.

WARRANTY

• 25 Years in Solar Panel • 10 Years in Inverter

• 04 Unit Per Day Generation in 1KW.

• Finance Facility Available.

• We Provide AMC.

• Work In Government Subsidy (PM Surya Ghar Yojana).

Add: Near Gurunanak Hall, Shyam Nagar, Telebandha, Raipur (C.G.)

Mob.: 79995-86149, 9893181871

रायपुर जिले के लिये लड़कों-लड़कियों की आवश्यकता है

TENSILE SHADE

WE PERSIST ONLY THE BEST

CAR PARK SHADE

WEATHER PROTECTION

tensile +

membrane +

structure

R.B. Plus 81091 11313

RAIPUR 86028 11220

भानुप्रतापपुर

शिरधु-बारगावापारा